कहानी

चेतन का साहसिक सफर

एक हरे-भरे जंगल में चेतन नाम का एक छोटा हिरण रहता था. उसकी बड़ी-बड़ी आँखें और नन्हीं सी पूंछ उसे जंगल का प्यारा जानवर बनाती थी. उसके दोस्त थे–एक तोता रंगीला और एक खरगोश प्यारा. तीनों साथ में खेलते, हँसते, और जंगल की सैर करते थे. चेतन अक्सर कहता, दोस्तों, हमें हमेशा एक-दूसरे की मदद करनी चाहिए, चाहे मुसीबत कितनी भी बड़ी हो! रंगीला हँसकर बोलता, हाँ, लेकिन तू तो डरपोक है, चेतन! प्यारा भी मज़ाक में जोड़ता, हाँ, बस भागने में माहिर है! चेतन मुस्कुराता, लेकिन मन में सोचता–एक दिन मैं साबित कर दूँगा.

एक दिन अचानक तेज बारिश शुरू हुई. नदियाँ उफान पर आ गईं, और जंगल में बाढ़ आ गई. पेड़ उखड़ गए, और जानवरों में अफरा-तफरी मच गई. चेतन, रंगीला और प्यारा एक ऊँचे टीले पर छिपे थे. रंगीला चीखा, चेतन, देखो, बाढ़ हमारे घर को बहा ले जा रही है! अब क्या होगा? प्यारा डरते हुए बोला, हम तो छोटे हैं, बच नहीं पाएँगे. चेतन ने गहरी साँस ली और कहा, डरो मत, दोस्तों. हमें हिम्मत से लड़ना होगा. मैं एक रास्ता ढूंढता हूँ.

चेतन ने चारों तरफ नज़र दौड़ाई. बाढ़ के बीच एक टूटी पेड़ की शाखा नदी के उस पार तक पहुँच रही थी. उसने सोचा, अगर हम इस शाखा पर चलकर ऊँचे पहाड़ की ओर जाएँ, तो बच सकते हैं. उसने रंगीला से कहा, तू ऊपर से उड़कर रास्ता दिखा, और प्यारा, तू मेरे पीछे-पीछे आ. रंगीला ने हामी भरी, और प्यारा काँपते हुए बोला, लेकिन मैं डर रहा हूँ, चेतन! चेतन ने हौसला बढ़ाया, मैं तेरे साथ हूँ, चलो!

चेतन सबसे आगे बढ़ा. उसकी टाँगें काँप रही थीं, लेकिन वह शाखा पर धीरे-धीरे चला. रंगीला ऊपर से चिल्लाया, बाएँ जाओ, चेतन, वहाँ रास्ता साफ है! प्यारा चेतन के पीछे कूदता-फाँदता आ रहा था. अचानक शाखा हिलने लगी, और प्यारा फिसल गया. चेतन ने झट से अपनी सींगों से उसे पकड़ा और खींचकर शाखा पर लाया. प्यारा रोते हुए बोला, धन्यवाद, चेतन! तूने मेरी जान बचा ली. रंगीला ने नीचे उतरकर कहा, तू सच में साहसी है, दोस्त!

कुछ देर की मेहनत के बाद तीनों सुरक्षित पहाड़ की चोटी पर पहुँच गए. वहाँ से उन्होंने देखा कि बाढ़ धीरे-धीरे कम हो रही थी. जंगल के बाकी जानवर भी उनकी हिम्मत देखकर चकित थे. एक बूढ़ा हाथी बोला, चेतन, तूने दिखा दिया कि छोटे से हिरण में भी बड़ी हिम्मत हो सकती है. चेतन ने मुस्कुराकर कहा, यह मेरी हिम्मत नहीं, दोस्तों के साथ मिलकर की गई कोशिश है.

उस दिन से जंगल में चेतन की तारीफ होने लगी, और हर जानवर ने सीखा कि मुसीबत में हिम्मत और एकता ही रास्ता दिखाती है.

सीख

बच्चों, इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि हिम्मत और एक–दूसरे की मदद से कोई भी मुश्किल पार की जा सकती है. चेतन ने अपने डर को हराकर दोस्तों को बचाया. तो जब भी कोई चुनौती आए, डरने के बजाय हिम्मत से सामना करो और अपने दोस्तों का साथ दो!

बिंदु मिलाओ

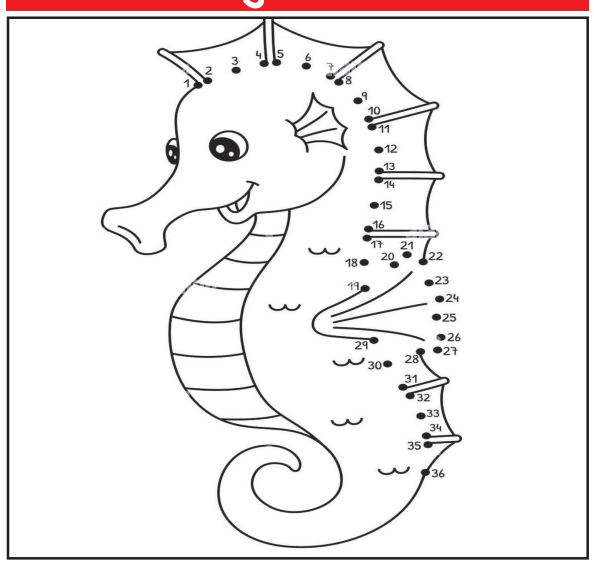

रंग भरो

प्रेरक प्रसंग

वेंकैया नायडू का शुरुआती जीवन

आज हम बात कर रहे हैं एक ऐसे भारतीय राजनेता की, जिनका जन्म आज ही के दिन 1949 में हुआ था. मुप्पावरापु वेंकैया नायडू का जन्म आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले के छोटे से गाँव चवतापालेम में हुआ. उनके माता–पिता रंगैया नायडू और रामानम्मा थे. साधारण परिवार से आने वाले वेंकैया ने अपनी शिक्षा स्थानीय स्कूलों से शुरू की और बाद में आंध्र विश्वविद्यालय से विधि में डिग्री हासिल की.

एक छात्र नेता के रूप में, उन्होंने 1970 के दशक में जय आंध्र आंदोलन में हिस्सा लिया और आपातकाल के दौरान 17 महीने जेल में रहे. यह समय उनकी प्रेरक कहानी का पहला अध्याय था, जो दिखाता है कि मेहनत और हिम्मत से कुछ भी हासिल किया जा सकता है.

भारतीय राजनेता के रूप में योगदान– वेंकैया नायडू का राजनीतिक सफर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) से जुड़ने के साथ शुरू हुआ. 1978 और 1983 में वे आंध्र प्रदेश विधानसभा के लिए चुने गए. बाद में, वे 1998 में कर्नाटक से राज्यसभा के सदस्य बने और तीन बार फिर से चुने गए. उनकी वाक्पटुता और किसानों व पिछड़े क्षेत्रों के लिए काम करने की भावना ने उन्हें बीजेपी का लोकप्रिय चेहरा बनाया. 2002–2004 तक वे बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे. इसके बाद, 2014 में नरेंद्र मोदी सरकार में वे शहरी विकास, आवास और सूचना प्रसारण मंत्री बने. 11 अगस्त 2017 को वे भारत के 13वें उपराष्ट्रपति बने और 2022 तक इस पद पर रहे. इस दौरान उन्होंने राज्यसभा के सभापति के रूप में संसद की गरिमा बनाए रखी. उनकी प्रेरक कहानी बताती है कि एक छोटे गाँव से शुरूआत कर भी देश की सेवा कैसे की जा सकती है.

प्रमुख उपलब्धिया– वेंकैया नायडू की उपलब्धियाँ कई हैं. स्वच्छ भारत मिशन, स्मार्ट सिटी मिशन और अमृत योजना जैसी योजनाओं में उनके योगदान ने भारत के शहरी ढांचे को मजबूत किया. 2024 में उन्हें पद्म विभूषण, भारत का दूसरा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान, दिया गया, जो उनके सार्वजनिक जीवन के लिए था.

उनकी वाक्पटुता और हास्य ने संसद को रोचक बनाया. कई बार उनकी एक पंक्तियाँ, जैसे फ्रऑपरेशन डिपेंड्स ऑन को–ऑपरेशन, ऑथरवाइज़ सेपरेशन,फ्र ने सभी को हँसाया और एकता का संदेश दिया. यह प्रेरक कहानी बच्चों को दिखाती है कि मेहनत और सकारात्मकता से सफलता मिलती है.

कार्यालय नगर पालिक निगम, इन्दौर
(जनकार्य विभाग)

ई–मेल: jankarya.vibhag2023@gmail.com, फोन : 7440440233

निविदा विज्ञप्ति क्र.: 43/सिविल/25–26/ग्रुप नं–01 से ग्रुप नं–17 तक

निविदा आमंत्रण

दिनांक: 08.07.2025

केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदार से (MPUADD Road & Bridge SOR/NON SOR, DATE 02-08-2021 पर आधारित) ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in/ पर देखा जा सकता है।

ग्रुप क्र.	टेंडर क्र.	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ई.एम.डी.	निविदा क्रय करने एवं खोलने की अंतिम तिथि
01	2025_UAD_435900_1	झोन क्र. 08 वार्ड क्र. 28 के अन्तर्गत वर्षा ऋतु में आवश्यक स्थानों पर मेटल पेंचवर्क करना।	90 दिवस ₹3,31,890/–	₹2,000/– ₹3,400/–	23-07-2025 6.00 PM 25-07-2025
02	2025_UAD_435902_1	झोन क्र. 19 वार्ड क्र. 53 के अन्तर्गत मुख्य मार्ग, कॉलोनियों की रोड एवं एप्रोच मरम्मत हेतु मुरम चुरी प्रदाय कर बिछाना।	90 दिवस ₹3,94,155/–	₹2,000/– ₹4,000/–	23-07-2025 6.00 PM 25-07-2025
03	2025_UAD_435903_1	झोन क्र. 12 वार्ड क्र. 61 के अन्तर्गत वर्षा ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए विभिन्न स्थानों पर मुरम चुरी डालना।	90 दिवस ₹4,30,350/–	₹2,000/– ₹4,400/–	23-07-2025 6.00 PM 25-07-2025
04	2025_UAD_435904_1	झोन क्र. 20 वार्ड क्र. 08 के अन्तर्गत कच्चे स्थानों एवं गड्ढों पर मुरम चुरी इत्यादि मटेरियल डालना।	90 दिवस ₹4,32,097/–	₹2,000/– ₹4,400/–	23-07-2025 6.00 PM 25-07-2025
05	2025_UAD_435906_1	झोन क्र. 12 वार्ड क्र. 65 के अन्तर्गत वर्षा ऋतु को दृष्टिगत रखते हुवे गड्ढों में मुरम चुरी डालना।	90 दिवस ₹4,58,190/–	₹2,000/– ₹4,600/–	23-07-2025 6.00 PM 25-07-2025
06	2025_UAD_435907_1	झोन क्र. 20 वार्ड क्र. 06 के अन्तर्गत कच्चे स्थानों एवं गड्ढों पर मुरम चुरी इत्यादि मटेरियल डालना।	90 दिवस ₹4,94,470/–	₹2,000/– ₹5,000/–	23-07-2025 6.00 PM 25-07-2025
07	2025_UAD_435908_1	झोन क्र. 05 वार्ड क्र. 23 के अन्तर्गत गणेश नगर, अर्जुन सिंह गौहर पहुंच मार्ग एवं आवश्यकतानुसार अन्य स्थानों पर वर्षा ऋतु में कीचड़ समस्या निवारण हेतु मेटल पेंचवर्क का कार्य करना।	90 दिवस ₹4,95,700/–	₹2,000/– ₹5,000/–	23-07-2025 6.00 PM 25-07-2025
08	2025_UAD_435910_1	झोन क्र. 04 वार्ड क्र. 13 के अन्तर्गत गड्डे भरना एवं कीचड़ समस्या के निवारण हेतु मुरम चुरी डालना।	90 दिवस ₹4,96,610/–	₹2,000/– ₹5,000/–	23-07-2025 6.00 PM 25-07-2025
09	2025_UAD_435911_1	झोन क्र. 16 वार्ड क्र. 15 के अन्तर्गत गांधी नगर, कस्तूर नगर, देवधरम गांव, नया बसेरा, बड़ा बांगड़दा, टिगरिया बादशाह, पटेल नगर, विध्या पैलेस, लक्ष्मी नगर व अन्य स्थानों पर कीचड़ समस्या निवारण हेतु मुरम चुरी डालना।	120 दिवस ₹11,36,550/–	₹2,000/– ₹8,600/–	23-07-2025 6.00 PM 25-07-2025
10	2025_UAD_435912_1	झोन क्र. 20 वार्ड क्र. 04 के अन्तर्गत कच्चे स्थानों एवं गड्ढों पर मुरम चुरी इत्यादि मटेरियल डालना।	90 दिवस ₹4,97,950/–	₹2,000/– ₹5,000/–	23-07-2025 6.00 PM 25-07-2025
11	2025_UAD_435916_1	झोन क्र. 20 वार्ड क्र. 05 के अन्तर्गत कच्चे स्थानों एवं गड्ढों पर मुरम चुरी इत्यादि मटेरियल डालना।	90 दिवस ₹5,22,700/–	₹2,000/– ₹5,300/–	23-07-2025 6.00 PM 25-07-2025
12	2025_UAD_435918_1	झोन क्र. 19 वार्ड क्र. 38 के अन्तर्गत राधे विहार कॉलोनी, हॉजी मदनी बाग, नहारशाह कम्पाउण्ड एवं अन्य स्थानों पर कीचड़ व जल भराव की समस्या हेतु मुरम चुरी डालना।	90 दिवस ₹5,83,860/–	₹2,000/– ₹5,900/–	23-07-2025 6.00 PM 25-07-2025
13	2025_UAD_435919_1	झोन क्र. 12 वार्ड क्र. 59 के अन्तर्गत प्रतिवर्षानुसार निकलने वाले अनंत चर्तुदर्शी, ढोल ग्यारस, मोहर्रम पर्व, आगामी त्योहारों एवं वर्षा ऋतु को दृष्टिगत रखते हुऐ मुख्य मार्गों पर पोट होल भरना।	90 दिवस ₹6,44,250/–	₹2,000/– ₹6,500/–	23-07-2025 6.00 PM 25-07-2025
14	2025_UAD_435921_1	झोन क्र. 06 वार्ड क्र. 22, 24 व 25 के अन्तर्गत वर्षाकाल के दौरान होने वाले सड़कों के गड्ढों को भरने हेतु गिट्टी चुरी मटेरियल डालना।	90 दिवस ₹7,82,850/–	₹2,000/– ₹7,900/–	23-07-2025 6.00 PM 25-07-2025
15	2025_UAD_435922_1	झोन क्र. 19 वार्ड क्र. 50 के अन्तर्गत कॉलोनियों की कीचड़ समस्या निवारण हेतु मुरम चुरी बिछाना।	90 दिवस ₹7,69,800/–	₹2,000/– ₹7,700/–	23-07-2025 6.00 PM 25-07-2025
16	2025_UAD_435923_1	झोन क्र. 03 के अन्तर्गत मुख्य मार्गों के पॉट होल्स एवं अन्य सूचीबद्ध स्थानों पर मेटल पेंचवर्क करना।	90 दिवस ₹7,92,060/–	₹2,000/– ₹8,000/–	23-07-2025 6.00 PM 25-07-2025
17	2025_UAD_435924_1	झोन क्र. 02 वार्ड क्र. 69 के अन्तर्गत कीचड़ समस्या निवारण तथा रोड के गड्ढे भरने हेतु मेटल पेंचवर्क का कार्य करना।	90 दिवस ₹7,94,510/–	₹2,000/– ₹8,000/–	23-07-2025 6.00 PM 25-07-2025

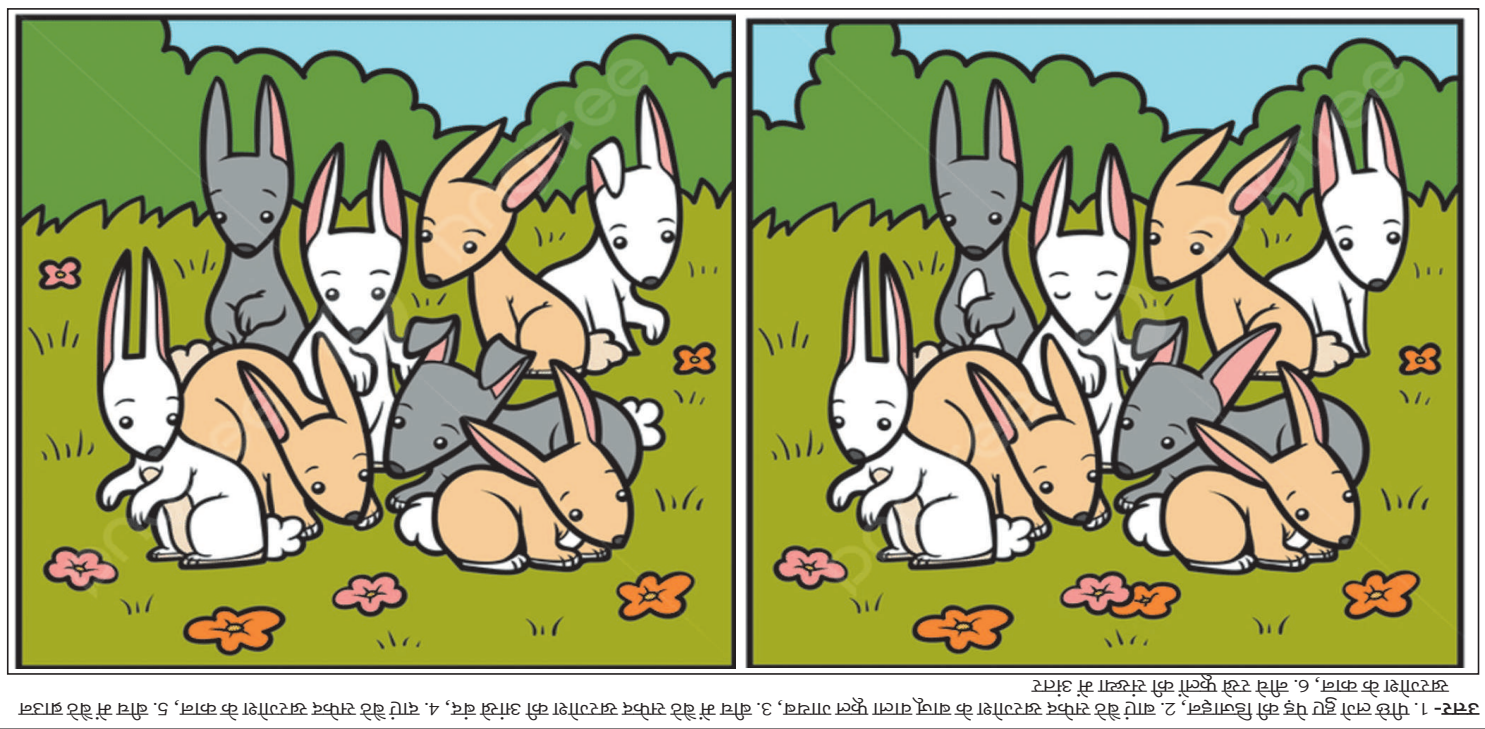

नोट:– निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाइन https://mptenders.gov.in/ की वेबसाइट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

प्रतिबंधित पॉलिथीन, कैरीबैग के निर्माण/ विक्रय/ उपयोग करने पर दंड व सजा का प्रावधान है।

अधीक्षण यंत्री
(जनकार्य विभाग)
नगर पालिक निगम, इन्दौर

बंदरों में होती हैं कई अद्भुत प्रतिभाएं

बंदर एक ऐसा जानवर है, जो दिखने में तो चूहे की तरह लगता है, लेकिन यह चूहे से बिल्कुल अलग होता है.

यह जानवर भारत में काफी प्रचलित है और इसका इस्तेमाल कई जगहों पर किया जाता है, खासकर मंदिरों में जहां यह प्रसाद चुरा लेता है. इसके अलावा भी बंदर से कई रोचक तथ्य जुड़े हुए हैं.

बंदर की किस्में– बंदर एक तरह का स्तनपायी जानवर है, जिसकी लगभग 260 किस्में पाई जाती हैं. ये किस्में दो मुख्य वर्गों (नई दुनिया के बंदर और पुरानी दुनिया के बंदर) में बंटी होती हैं. नई दुनिया के बंदर अमेरिका और दक्षिणी मेक्सिको में पाई जाती हैं, जबकि पुरानी दुनिया के बंदर अफ्रीका और एशिया में पाई जाती हैं.

भारत में पुरानी दुनिया के बंदर की 5 किस्में पाई जाती हैं, जिनमें रीसस मैकाक, लंगूर, नीलगिरी लंगूर, गोल्डन लंगूर और लंगूर शामिल हैं.

इंसानों से मिलते हैं बंदर के दांत–बंदर के दांत इंसानों के दांतों से काफी मिलते–जुलते होते हैं. खासकर उनके आगे वाले दांत बिल्कुल इंसानों जैसे दिखते हैं.

हालांकि, बंदर के दांत इंसानों के मुकाबले ज्यादा बड़े और तेज होते हैं.

इसके अलावा बंदर के दांतों की संख्या भी इंसानों से ज्यादा होती है, वहीं उनकी दांतों की बनावट भी इंसानों से अलग होती है. इसलिए बंदर के दांतों को इंसानों के दांतों की तरह न समझें.

बंदर का दिमाग होता है तेज– बंदर का दिमाग इंसानों के दिमाग से काफी मिलता–जुलता होता है. यही कारण है कि बंदर को देख कर कई लोगों को लगता है कि वह इंसान की तरह सोच सकता है. हालांकि, विज्ञान ने इस बात को गलत साबित कर दिया है कि बंदर इंसान की तरह सोच सकता है. दरअसल, बंदर का दिमाग इंसानों की तरह तो होता है, लेकिन वह सोच नहीं सकता है.

आर्ट एंड क्रॉफ्ट

जेब में रखने वाली छोटी किताब

जेब में रखने वाली छोटी किताब सामग्री:

कॉर्नफ्लेक्स का डब्बा, अंदर के कागजों के लिए एक कागज, एक रंगीन कागज, कैंची, फुट्टा, पेन, गोंद, सुई और धागा, बटन

छोटी किताब बनाने का तरीका

- कॉर्नफ्लेक्स के डिब्बे को अपनी किताब का कवर बनाने के लिए काटे.
- इसको आधे में मोड़े ताकि खाली जगह ऊपर आये.
- सुई धागे की मदद से किताब के आगे के हिस्से में बटन लगाए और करीब 50 सेंटीमीटर तक धागे को लटके रहने दे. यह किताब को बंद करने के काम आएगा.
- कॉर्नफ्लेक्स के डिब्बे पर बने चित्र को ढकने के लिए किताब के अंदर चारों कोनो पर गोंद लगाए और एक कागज चिपकाये और बचे हुए कागज को काट ले.
- अब किताब के अंदर लगाने वाले कागज ले और उन्हें किताब के आकर के हिसाब से काट ले.

- सुई और धागे की मदद से किताब के अन्दर कागज लगाए.
- अब रंगीन कागज के पीछे गोंद लगाए और इसे अपनी किताब के एक सिरे पर लगाए.
- किताब को और सुन्दर बनाने के लिए चारों ओर के कोनों को गोल आकार में काटे.

कविता

चिड़िया का संसार

सबसे पहले मेरे घर का,
अंडे जैसा था आकार,
तब मैं यही समझती थी –
बस इतना सा ही है संसार.

फिर मेरा घर बना घोंसला,
सूखे तिनकों से तैयार,
तब मैं यही समझती थी –
बस इतना सा ही है संसार.

फिर मैं निकल गई
शाखों पर,
हरी-भरी थी जो सुकुमार,
तब मैं यही समझती थी –
बस इतना सा ही है संसार.

आखिर जब मैं आसमान में,
उड़ी दूर तक पंख पसार,
तभी समझ में मेरी आया –
बहुत बड़ा यह संसार.

अंतर ढूंढो

नीचे दिये गये दोनों चित्र देखने में समान हैं लेकिन उनमें कुछ अंतर हैं जिन्हें आप ढूंढकर निकालें.

उत्तर- 1. पीछे लगे हुए पेड़ की डिजाइन, 2. बाएं बैठे सफेद खरगोश के बाजू वाला फूल गायब, 3. बीच में बैठे सफेद खरगोश की आंखे बंद, 4. दाएं बैठे सफेद खरगोश के कान, 5. बीच में बैठे ब्राउन खरगोश के कान, 6. नीचे रखे फूलों की संख्या में अंतर